# SRISHTI NGO

न तु अहम् कामये राज्यम् न स्वर्गम् न पुनर्भभवम्। कामये दुःख ताप्तानाम् प्राणिनाम आर्तिनाशनम् ।।

# ANNUAL REPORT 2021-22

## SRISHTI JAN KALYAN SAMITI


**Registered Office -Lalkuan, Nainital, Uttarakhand**
**Project Office**
**3rd Floor, Choudhari Bhawan, Bankhola**
**Bageshwar PIN 263642 Uttarakhand**
**Web: www.srishtingo.org, e-mail:sjksukngo@rediffmail.com**
**Mob.9758079227,9456359096**

# सृष्टि जन कल्याण समिति

# SRISHTI JAN KALYAN SAMITI

SOCIETY FOR RECONSTRUCTION OF RURAL INFRASTRUCTURE & IMPLEMENTATION OF SUSTANABLE HANDY TECHNOLOGY

## प्रगति प्रतिवेदन 2021–22


| क्र0 | विवरण | |
|---|---|---|
| 1. | आभार चीफ फंक्षनरी | |
| 2. | सृश्टि एक परिचय | |
| 3. | सृष्टि कार्य क्षेत्र | |
| 4. | गतिविधि क्षेत्र | |
| 5. | कार्यक्रम/परियोजना– सरकारी | |
| 6. | कार्यक्रम/परियोजना –सरकारी | |
| 7. | सृष्टि के कार्यक्रम | |
| 8. | सृष्टि के कार्यक्रम | |
| 9. | सृष्टि के कार्यक्रम | |



SRISHTI JAN KALYAN SAMITI

3rd Floor, Choudhari Bhawan

Bankhola, Jeetnagar, Bageshwar 263642

UTTARAKHAND, INDIA

Web: www.srishtingo.org, email:sjksuknngo @rediffmail.com

Contact No- 9758079227

# सृष्टि जन कल्याण समिति
# SRISHTI JAN KALYAN SAMITI

संदेश
चीफ फंक्शनरी

न तु अहम् कामये राज्यम् न स्वर्गम् न पुनर्भभवम्।
कामये दुःख ताप्तानाम् प्राणिनाम आर्तिनाशनम् ।।

सुधी जन

करोना काल के बीच इस वर्ष बीच–बीच में हमारे कार्यक्रम बाधित होते रहे बावजूद इसके हमने समूहो एवं सहकारिताओं को आय एवं आजीविका सृजन के काबिल बनाने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्था ने 12 न्याय पंचायतों एवं विकास खण्ड स्तर पर पंचायती राज निदेशालय के तत्वावधान में क्षेत्र पंचायत सदस्यों, ग्राम प्रधानों, उप प्रधानों एवं वार्ड सदस्यों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इसके अलावा संस्था स्तर से राजकीय इंटरकालेज सोराग एवं प्राथमिक विद्यालय सोराग में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। संस्था ने कोविड से बचाव के लिए जनजागरूकता के साथ ही मास्क वितरित किये गये। संस्था ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित कपड़ें के मास्क पुलिस प्रशासन को भेट किये गये। इस वर्ष सबसे महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में संस्था IIM Kashipur के साथ जुड़ी। संस्थान के कार्यक्रम **Experiential Learning in Unlocking Rural Potential Industry Outreach Programs** के तहत जहां एक ओर संस्थान के एम0बी0ए0 के छात्र ग्रामीण जीवन उद्यमिता, आजीविका स्रों से रूबरू हुए वहीं उनके व्यावसायिक ज्ञान से हमारे स्वयं सहायता समूह तथा स्वायत्त सहकारिताएं लाभान्वित हुई।

मैं UFRMP-JICA परियोजना प्रबंधन, पंचायती राज निदेशालय, दान दाताओं, IIM Kashipur, शासन–प्रशासन व अपने कर्मयोगी स्वयं सेवकों का आभार व्यक्त करता हूं, जिनके सहयोग से **सृष्टि जन कल्याण समिति** जन हित के व्यापक कार्य लक्ष्य अर्जित करने में सफल रही।

धन्यवाद।

**जीवन एस दानू इरेश**
**चीफ फंक्शनरी**

# SRISHTI JAN KALYAN SAMITI
## संक्षिप्त परिचय सृष्टि जन कल्याण समिति

**सृष्टि जन कल्याण समिति "Helping people to help themselves"** के दर्शन पर विश्वास रखने वाले समान विचारधारा वाले लोगों का संगठन है। जो समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े लोगों के समग्र उत्थान के लिए प्रयासरत है। सृष्टि जन कल्याण समिति का पंजीकरण 25 जनवरी 2002 में निम्न वीजन, मिशन एवं आबजेक्टिव के साथ किया गया।

**दृष्टिः** जाति, पंथ, धर्म या लिंग के आधार पर असमानताओं से रहित एक गैर–शोषक आत्म निर्भर सामाजिक व्यवस्था की स्थापना करना तथा सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए व्यक्तियों की गरिमा को बनाये रखना।

**मिशनः** समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का सःशक्तिकरण।

**उद्देश्यः** लोगों को स्वयं के विकास के मोर्चे पर लगाना तथा समाज में परिवर्तन के एजेंट के रूप में उनकी क्षमताओं का विकास कर उन्हें स्वयं के विकास में सहभागी बनाना। स्वयं के विकास की जिम्मेदारी लेने में मदद करना।

**प्रबंधनः** सृष्टि जन कल्याण समिति एस0जे0के0एस0 का शासी बोर्ड 09 सदस्यों का है। सभी सदस्य तिमाही बैठक कर संगठन के लिए योजना और रणनीति पर निर्णय लेते हैं। आवश्यकता पड़ने पर शासी बोर्ड की आपात बैठक बुलाने का भी प्रावधान है। संगठन वर्ष में एक बार आम सभा/वार्षिक अधिवेशन भी करता है। जिसमें सदस्यों के सम्मुख आय–व्यय व गतिविधियों का लेखा जोखा रखा जाता है।

### संस्था के गैर परक्राम्य मूल्य

**समानताः** टीम का हर सदस्य समान रूप से महत्वपूर्ण और सम्मानित है।किसी व्यक्ति को शिक्षा, लिंग, जाति या धर्म या वर्ग उसे कम या अधिक मूल्यवान नहीं बनाता है।

**सामूहिक निर्णयः** संगठन की संरचना काफी हद तक सपाट है। सूचना के मुक्त प्रवाह को प्रोत्साहित करती है और सभी की चिन्ताओं को आवाज देती है। जिससे सभी को एक दूसरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाता है।

**विकेन्द्रीकरणः** जमीनी स्तर पर योजना और कार्यान्वयन का विकेन्द्रीकरण कर लोगों को उनकी आवश्यकताओं को स्पष्ट करने के लिए सक्षम व सशक्त बनाना है।

**आत्म निर्भरताः** इस संस्था का जन्म इस विश्वास के साथ हुआ था कि जब लोग आत्मविश्वास विकसित करते हैं और समस्याओं को हल करने के लिए एक साथ जुड़ते है। तो वे सीखते हैं जिससे वे आत्म निर्भर हो सकते हैं।

# विषयगत फोकस

- कृषि आधारित आजीविका का विकास।
- फलदार वृक्षारोपण अभियान।
- नदी पुनर्जीवन एवं तालाबों का संरक्षण।
- जल संरक्षण।
- जल स्वच्छता एवं वैयक्तिक स्वच्छता।
- प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन एन0आर0एम0
- पेयजल एवं स्वच्छता
- शिक्षा (आरटीई, डिजिटल साक्षरता, तम्बाकू मुक्त स्कूल)
- स्वास्थ्य (एचआईवी/एड्स, टीबी/करोना/बाल स्वास्थ्य)
- महिला सःशक्तिकरण (स्वरोजगार आधारित कौशल प्रशिक्षण)
- संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण (पीआरआई/सीबीओ/एसआरसी)।
- नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोग प्रोत्साहन।
- भूमि अधिकार वकालत।
- मनव तस्करी पर रोक एवं बाल अधिकार संरक्षण।
- जैविक/प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन।
- आपदा प्रबंधन और आपातकालीन राहत सेवाएं।

## कार्यात्मक रणनीति

- **सामुदायिक संगठनों के माध्यम से विकास में लोगों की भागीदारी।**
- **स्थानीय संसाधनों का उचित रखरखाव और ईष्टतम उपयोग।**
- **जमीन स्तर के लोगों की भागीदारी पर ध्यान केन्द्रित करने वाली अभिसरण पहल।**
- **जीवित रहने के लिए बाधाओं के खिलाफ जड़ता को तोड़ना।**
- **सःशक्तिकरण के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं अभिविन्यास।**
- **पर्यावरण संरक्षण के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं अभिविन्यास।**

## लक्ष्य समूह

असंगठित, वंचित, तथा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े लोग, जो परिचालन क्षेत्रों में निवास करने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाएं, बच्चे, छात्र, कारखाना व कृषि श्रमिक, छोटे तथा सीमान्त किसान आदि।

**भौगोलिक फोकस**– दुर्गम एवं मूलभूत सुविधा विहीन क्षेत्र।

## परिचालन क्षेत्र

सृष्टि जन कल्याण समिति ने उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊं मंडल में नैनीताल व उधमसिंह नगर जिलों से अपना कार्य प्रारम्भ किया। वर्तमान में सृष्टि बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल व उधम सिंह नगर जिलों के लगभग 350 गांवों में काम कर रही या कर चुकी है।

| जनपद का नाम | विकास खण्ड | गांवों की संख्या | परियोजना का नाम | परिचालन की स्थिति |
|---|---|---|---|---|
| **बागेश्वर** | कपकोट | 28 | यूएफआरएमपी–जायका | जारी |
| **बागेश्वर** | काण्डा/बागेश्वर | 22 | यूएफआरएमपी–जायका | जारी |
| **बागेश्वर** | बागेश्वर | 32 | यूएफआरएमपी–जायका | जारी |
| **बागेश्वर** | बागेश्वर | 09 | एस0एल0डब्ल्यू0एम0 | जारी |
| **बागेश्वर** | गरूड़ | 01 | एस0एल0डब्ल्यू0एम0 | जारी |
| **अल्मोड़ा** | ताकुला | 12 | जे0जे0एम0 | जारी |
| **बागेश्वर** | गरूड़ | 10 | जे0जे0एम0 | जारी |
| **नैनीताल** | भीमताल | 05 | महिला सःशक्तिकरण | |
| **उधम सिंह नगर** | रूद्रपुर | 04 | युवा नेतृत्व विकास | |

## लैण्ड मार्क

- जन संगठनों का विकास महिला संगठनों को प्राथमिकता।
- प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंध।
- सामुदायिक स्वास्थ्य प्रबंध।
- पारम्परिक ज्ञान बैंक।
- पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- ग्रामीण संसाधन केन्द्रों की स्थापना।
- समुदाय की अजीविका एवं आय संवर्धन।
- पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण।
- सहकारिताओं का विकास।
- युवा खेलकूद को प्रोत्साहन।
- छात्र–छात्राओं का बौद्विक विकास

## भविष्य के लिए फोकस इंटरवेंशन

- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
- महिला उद्यमिता विकास
- समुदाय आधारित संगठनों को बढ़ावा
- स्वच्छता
- माडल संसाधन केन्द्रों का विकास
- वंचित बच्चों को प्राथमिक शिक्षा एवं किशोरों को व्यावसायिक शिक्षा।
- सभी के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा।
- ग्रामीणों को उपयुक्त एवं किफायती प्रद्योगिकी का हस्तान्तरण।
- पारसिंतिकी संतुलन को बढ़ावा देना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का पुनर्निमाण।
- सहभागी वाटरसेड विकास।
- खाद्यसुरक्षा और सतत आजीविका।
- हस्तक्षेप नेटवर्किंग।

# 2021–22 की गतिविधियां

## क–समूह प्रबंधन

सृश्टि का हमेषा प्रयास रहा है कि ग्रामीण समुदाय के चहुंमुखी विकास के लिए लोगों, विशेषकर महिलाओं को संगठित कर उन्हें आय एवं आजीविका सृजन में स्वावलम्बी बनाया जाये। उन्हें षिक्षण प्रषिक्षण के साथ नयी तकनीक के साथ जुड़ने में मदद की जाये। इस उद्देष्य की पूर्ति **उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंध परियोजना–जायका** के सहयोग से बागेष्वर जनपद के दो विकास खण्डों की चार फारेस्ट रेंजों की 82 वन पंचायतों में 164 स्वयं सहायता समूहों एवं कलस्टर स्तरीय तीन स्वायत्त सहकारिताओं के माध्यम की जा रही है।

## ख–स्वायत्त सहकारिता प्रबंधन

सृश्टि द्वारा उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना के तहत उत्तराखण्ड स्वायत्त सहकारिता अधिनियम 2003 के तहत गठित तीन स्वायत्त सहकारिताओं का प्रबंधन में सहयोग किया जा रहा है। सहकारिताओं द्वारा समुदाय की आय एवं आजीविका संवर्धन के लिए निम्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

क– स्वयं सहायता समूह स्तर से कृशि उपज का संग्रहण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन।
ख– लघु उद्यमों की स्थापना, डेयरी एवं पषुपालन को प्रोत्साहन।
ग– महिला सःषक्तिकरण के लिए कौषल विकास।
घ –आजीविका एवं आय संवर्धन।
ड़–वनोशौधि का कृशिकरण।
च– पषुपालन को प्रोत्साहन।
ज– ईको रेस्टोरेषन।

## 2–पंचायती राज प्रषिक्षण

सृश्टि का मानना है कि व्यक्ति के कौषल विकास द्वारा व्यक्ति को नेतृत्वकारी बनाया जा सकता है। संस्था द्वारा पंचायती राज निदेषालय देहरादून के सहयोग से जनपद बागेष्वर, विकास खण्ड कपकोट की 12 न्याय पंचायतों के 106 ग्राम पंचायतों के बीडीसी सदस्यों, ग्राम प्रधानों एवं ग्राम पंचायत सदस्यों को पंचायती राज का प्रषिक्षण दिया गया। जिसमें ग्राम विकास योजना निर्माण, अपषिश्ट प्रबंधन, सूचना अधिकार, पंचायती राज व्यवस्था का इतिहास, लिंग समानता आदि षामिल है।

## 3–आईआईएम

ग्रामीण समुदाय, स्वयं सहायता समूहो एवं स्वयत्त सहकारिताओं को व्यवसाय प्रबंधन से जोड़ने तथा मार्केट सर्च में सहयोग के लिए आईआईएम काषीपुर द्वारा संचालित म्गचमतपमदजपंस स्मंतदपदह पद Unlocking Rural Potential Industry Outreach Program कार्यक्रम के तहत संस्थान के एम0बी0ए0 छात्र–छात्राओं को सृश्टि के साथ इंटर्नषिप करवाई जा रही है। इस कार्यक्रम से जहां एक ओर ग्रामीण जीवन व अर्थव्यवस्था को समझने का अवसर मिल रहा है वहीं दूसरीओर सृश्टि के लाभार्थियों को व्यवसाय प्रबंधन , लेखा कार्य, व्यवसाय योजना निर्माण, कृशि उपज का मूल्य संवर्धन, बाजार संयोजन आदि का

लाभ मिल रहा है।

**4–सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता**

सृश्टि द्वारा छात्र –छात्राओं के षैक्षिक उन्नयन के लिए राजकीय प्राथमिक विद्यालय सोराग एवं राजकीय इंटर कालेज सोराग में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें. 442 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता में निम्न विवरणानुसार प्रतिभागी विजयी रहे।

**5–एसएलडब्ल्यूएम**

सृश्टि लम्बे समय से उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय हल्द्वानी के समाज कार्य परास्नातक छात्र–छात्राओं को फील्ड वर्क व सामुदायिक कार्यों का एक–एक मासीय प्रषिक्षण दे रही है। वर्तमान तक 12 छात्र संस्था के साथ सामुदायिक विकास कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

**6–करोना सहयोग**

करोना काल में संस्था द्वारा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से डबल लेयर मास्क बना कर फ्रंट लाइन वर्कर को निषुल्क वितरित किये गये वहीं संस्था द्वारा करोना महामारी से निपटने के लिए स्वयं के स्तर से जिलाधिकारी के कोश में अर्थ दान कर सहयोग करने के साथ अन्य कार्यों में मदद कर समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन किया गया।

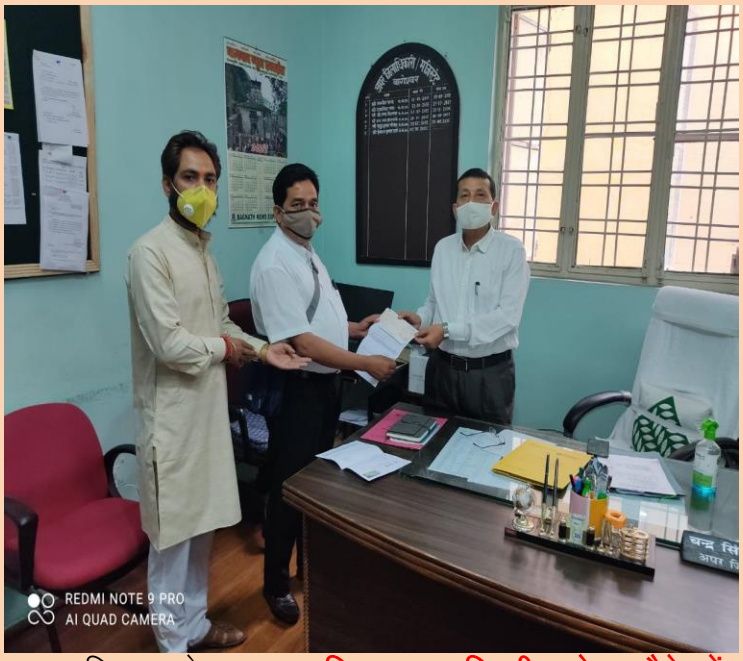


**7–एमएसडब्ल्यू छात्रों का अध्ययन**

संस्था स्थापना काल से ही षैक्षिक उन्नयन को बल देते रही है। इसी क्रम में संस्था द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय हल्द्वानी अध्ययन केन्द्र बागेष्वर के छात्र–छात्राओं को सामुदायिक विकास गतिविधियों के विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मलित करवाया गया। इसके साथ ही उन्हें फील्ड स्तरीय कार्य में सहभागी बना कर समुदाय के प्रति उनके ज्ञान को परिमार्जित किया गया।

**8–सालिड एण्ड लिक्वीड वेस्ट मैनेजमेंट–** संस्था द्वारा स्वजल के सहयोग से 09 ग्राम पंचायतों में राश्ट्रीय स्वच्छता अभियान के तहत **सालिड एण्ड लिक्वीड वेस्ट मैनेजमेंट कार्यक्रम का** संचालन किया गया । जिसके तहत ग्राम समितियों को प्रक्षिण, डी0पी0आर0 निर्माण, अवसंरचना निर्माण में सहयोग व एम0बी0 का कार्य किया गया।

**10. सहकारिता सदस्यों को प्रबंधन प्रशिक्षण–** संस्था द्वारा धौली नाग स्वायत्त सहकारिता, बाबा बागनाथ स्वायत्त सहकारिता, सरमूल स्वायत्त सहकारिता, फेणीनाग स्वायत्त सहकारिता, महादेव स्वायत्त सहकारिता के सदस्यों को प्रबंधन, वित्त प्रबंधन, उद्यम स्थापना, मार्केटिंग, मूल्य संवर्धन, आदि का प्रषिक्षण दिया गया। जिससे उनकी संगठनात्मक प्रबंधन के कौषल में वृद्धि हुई है।

**9– ज्योतिश प्रषिक्षण**

भारतीय प्राच्य विद्याओं के उन्नयन के लिए सृश्टि द्वारा अपने केन्द्र में संस्कृत अकादमी हरिद्वार के सहयोग से

दो मासीय ज्योतिश प्रषिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें 44 छात्रों ने ज्योतिश प्रषिक्षण प्राप्त किया। संस्था द्वारा प्रषिक्षित छात्रों में से कई लोग वृत्ति व ज्योतिश का कार्य कर आजीविका उपार्जन कर रहे हैं।

**10. ऐपण प्रषिक्षण**

संस्था देश प्रदेश की कला व संस्कृति को अक्षुण रखने के लिए कटिबद्ध है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संस्था द्वारा बालिकाओं के लिए ऐपण चित्र कला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें 20 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्तमान में कुछ बालिकाएं एपण कार्य को स्वरोजगार के रूप में कर रही हैं।

## सामान्य ज्ञान प्रतियोगित

**11.सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता–** संस्था द्वारा राजकीय इंटर कालेज तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय सोराग में छात्रों के मध्य प्राथमिक, जूनियर व सीनियर वर्ग में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हर वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे छात्र–छात्राओं को क्रमशः दो हजार, एक हजार पांच सौ तथा एक हजार रुपए पुरकार राशि प्रदान की गयी। जबकि हर वर्ग में पांच–पांच, पांच–पांच सौ रुपए के सांत्वना पुरकार वितरित किये गये। बाकी सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागी प्रमाण पत्र वितरित किये गये। प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, शिक्षकों छात्र–छात्राओं तथा ग्रामीणों ने छात्र–छात्राओं के बौद्धिक विकास के लिए सृष्टि का आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों का विवरण

संस्था द्वारा राजकीय इंटर कालेज तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय सोराग में छात्रों के मध्य प्राथमिक, जूनियर व सीनियर वर्ग में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हर वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे छात्र–छात्राओं को क्रमशः दो हजार, एक हजार पांच सौ तथा एक हजार रुपए पुरकार राशि प्रदान की गयी। जबकि हर वर्ग में पांच–पांच, पांच–पांच सौ रुपए के सांत्वना पुरकार वितरित किये गये। सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागी प्रमाण पत्र वितरित किये गये।